



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 403]	नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 8, 2012/श्रावण 17, 1934
No. 403]	NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 8, 2012/SHRAVANA 17, 1934

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2012

सा.का.नि. 625(अ).—केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना सख्यांक सा.का.नि. 61(अ), तारीख 2 फरवरी, 2011 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 212 की उप-धारा (1) के अधीन अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र की प्रतियां, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित किया गया था ;

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां तारीख 11 फरवरी, 2011 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप नियमों की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों या सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटर यान (तृतीय संशोधन) नियम, 2012 है।

(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है)

के नियम 93 के उपनियम (6) में,-

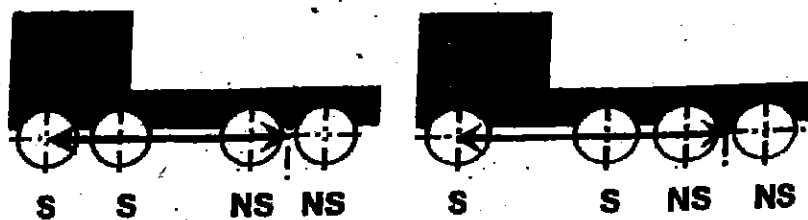
(अ) स्पष्टीकरण - 1 में खंड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(ग) तीन धुरी से अधिक धुरी वाले और आकुंचनशील धुरी वाले या उसके रहित यानों की दशा में चक्के का आधार अगली धुरी के मध्यबिंदु और अपरिचारित धुरी के पिछले संयोजन के मध्य बिंदु की नापित दूरी होगी।”

टिप्पण -

(i) ‘अकुंचनशील धुरी’ से ऐसी धुरी अभिप्रेत है जिसे प्रथम इंडेन्ट के अनुसार धुरी उत्पापक युक्ति द्वारा उठाया या गिराया जा सकता है ;

(ii) ‘धुरी उत्पापक युक्ति’ से यान की भरण शर्तों के अनुसार जब यान पूर्णरूप से भरा हुआ नहीं है तो टायरों की रगड़ को कम करने के अनुक्रम में या फिसलन वाले तल छट पर मोटरयान या संयोजनों वाले यानों के लिए सहजता से हटाने (खिसकाने) के अनुक्रम में चालन धुरी पर भार की वृद्धि करके या तो पहियों को उठाकर तलछट से अलग करने या पहियों को उठाए बिना तलछट से अलग करने (अर्थात् ऐयर सस्पेंसन प्रणालियों या अन्य प्रणालियों की दशा में) धुरी (धुरियों) पर भार कम करने या बढ़ाने के प्रयोजन के लिए यान में स्थायीरूप से फिट की गई युक्ति अभिप्रेत है।



S – Steered
NS – Nonsteered

(आ) स्पष्टीकरण- II (ख) में,-

(क) खंड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

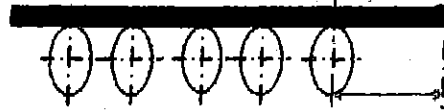
“(ii) ऐसे यान की दशा में जिसमें सिर्फ तीन धुरी है और अगली धुरी ही केवल स्टीयरिंग धुरी है ‘स्थायी’ या अकुंचनशील (उत्पापक धुरी) वाले पिछली धुरी (धुरियों) पर ध्यान दिए बिना वहां पृष्ठतम धुरी का मध्य बिंदु”;

(ख) खंड (14) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(iv) केवल तीन धुरियों वाले किसी ऐसे यान की दशा में जिसके सामने की दो धुरी स्टीयरिंग धुरी है वहां ‘स्थायी’ या अंकुचनशील (उत्थापक धुरी) वाली पिछली धुरी (धुरियों) पर ध्यान दिए बिना पृष्ठतम धुरी का मध्य बिंदु I”;

(ग) खंड (v) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(v) चार या चार से अधिक धुरियों वाले किसी यान की दशा में, ‘स्थायी’ या अंकुचनशील (उत्थापक धुरी) वाली पिछली धुरी (धुरियों) पर ध्यान दिए बिना वहां पृष्ठतम धुरी का मध्य बिंदु I”;



3. उक्त नियमों के नियम 95 के उपनियम (6) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(7) प्रवर्ग एम 1, और एन 1 के यानों के लिए अस्थायी रूप से प्रयुक्त अतिरिक्त पहिया/टायर और रन फ्लैट टायर, यदि वे यानों में प्रयुक्त सामान्य टायर से भिन्न हैं, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन अधिसूचित तत्स्थानी बीआईएस विनिर्देशों के अधिसूचित किए जाने तक, समय-समय पर यथासंशोधित एआईएस: 2009 के अनुरूप होंगे I” ।

4. उक्त नियमों के नियम 124क के उपनियम (7) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(8) 1 अक्टूबर, 2012 को और उसके पश्चात् भार पुंज, जहां कहीं भी यह कृषि ट्रैक्टर में प्रयुक्त होता है, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधिसूचित किए जाने तक, समय-समय पर यथासंशोधित एआईएस 105: 2008 के अनुरूप होंगे I” ।

(9) 1 अक्टूबर, 2012 को और उसके पश्चात् संरक्षी ढांचे, जहां कहीं भी यह कृषि ट्रैक्टर में प्रयुक्त होता है, यथास्थिति, आईएस: 11821 (भाग 1)- 1992 या आईएस: 11821 (भाग 2)- 1992 के अनुरूप होगा ।

(10) 1 अक्टूबर, 2012 को और उसके पश्चात् भार प्लेटफार्म, जहां कहीं यह कृषि ट्रैक्टर में प्रयुक्त होता है, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन तत्स्थानी बीआईएस विनिर्देशों के अधिसूचित किए जाने तक, समय-समय पर यथासंशोधित एआईएस: 106-2009 के अनुरूप होगा ।

(11) 1 अक्टूबर, 2012 को और उसके पश्चात् परिचारक सीट, जहां कहीं इसका उपयोग कृषि ट्रैक्टर में होता है, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन तत्स्थानी बीआईएस विनिर्देशों के अधिसूचित किए जाने तक, समय-समय पर यथासंशोधित एआईएस: 111- 2009 के अनुरूप होगा ।

(12) 1 अक्टूबर, 2012 को और उसके पश्चात् कृषि ट्रैक्टरों के लिए चालक क्षेत्र की दृष्टि सीमा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन तत्स्थानी बीआईएस विनिर्देशों के अधिसूचित किए जाने तक, समय-समय पर यथासंशोधित एआईएस: 107- 2009 के अनुरूप होगा ।

5. उक्त नियमों के नियम 125 के उपनियम (2) में, और पहले परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह और कि 1 अक्टूबर, 2012 को और उसके पश्चात् कृषि ट्रैक्टरों के लिए रियर व्यू मिरर विनिर्देश और स्थापन अपेक्षाएं भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन तत्स्थानी बीआईएस विनिर्देशों के अधिसूचित किए जाने तक, समय-समय पर यथासंशोधित क्रमशः एआईएस: 001--2001 और एआईएस: 114--2009 के अनुरूप होंगे।”

6. उक्त नियमों के नियम 125ख के उपनियम (1) में, “डिफॉगिंग” शब्द के स्थान पर “डीफ्रॉस्टिंग” शब्द रख जाएगा।

7. उक्त नियमों के नियम 125ग में, उपनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अंतर्विष्ट किया जाएगा, अर्थात् :-

“(3) ऐसी तारीख से जो अधिसूचित की जाए, प्रवर्ग एन2 और एन 3 के माल यानों का, उसके केबिन, बाड़ी, कंटेनर, टैंकर और ब्यूरो की बाबत बाड़ी निर्माण के लिए परीक्षण और अनुमोदन भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) के अधीन तत्स्थानी बीआईएस विनिर्देशों के अधिसूचित किए जाने तक उसमें उल्लिखित यानों के लिए, समय-समय पर यथासंशोधित एआईएस: 093-2008 के अनुसार होगा।”

8. उक्त नियमों के नियम 138 के उपनियम (4) में, खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(क) मोटरसाइकिल से भिन्न यानों की दशा में हैड लैंप के लिए अतिरिक्त बल्ब और फ्यूज का सेट और उपयोग के लिए तैयार एक अतिरिक्त पहिया :

परंतु एम 1 और एन 1 प्रवर्गों के यानों की दशा में अस्थायी प्रयुक्त अतिरिक्त पहियों के उपयोग को अनुज्ञात किया जाएगा और यदि ऐसे यानों में मानक के अनुसार टन प्लेट टायर फिट किए गए हैं तो उपयोग के लिए तैयार अतिरिक्त पहिए की सुविधा अनिवार्य नहीं होगी।”

[फा. सं. आरटी-11028/9/2008-एमवीएल (जि. II)]

नितिन आर. गोकर्ण, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र में सा.का.नि. 590 (अ) तारीख 2 जून, 1989 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और सा.का.नि. 515 (अ) तारीख 29 जून, 2012 द्वारा उनका अंतिम संशोधन किया गया।

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 2012

G.S.R. 625(E).—Whereas the draft of certain rules to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989 which were published as required by sub-section (1) of section 212 of the Motor Vehicles Act 1988 (59 of 1988), in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (i) dated the 2nd February, 2011, in the notification of the Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways, number G.S.R. 61 (E), dated the 2nd February, 2011 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, before expiry of the period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which the said notification were made available to the public;

And, whereas, copies of the said notification were made available to the public on the 11th February, 2011;

And, whereas, objections or suggestions, received from the public in respect of the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 110 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, namely:-

1. (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (3rd Amendment) Rules, 2012.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Central Motor Vehicles Rules, 1989, (hereinafter referred as the said Rules) in rule 93, in sub-rule (6), -

(A) in Explanation I, for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:-

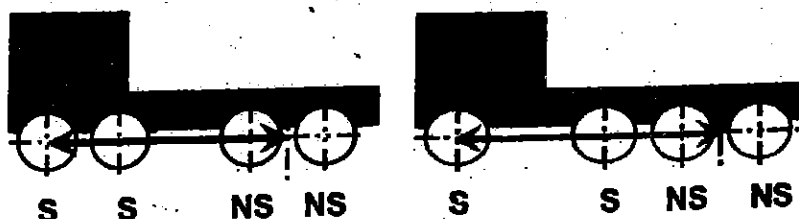
“(c) in case of vehicles having more than three axles, and fitted with or without retractable axle, wheelbase shall be the distance measured between the centre of the front-most axle and the centre point of rear combination of non- steered axles.

29374712-2

Note :

(i) 'retractable axle' means an axle which can be raised or lowered by the axle-lift device in accordance with first indent;

(ii) 'axle-lift device' means a device permanently fitted to a vehicle for the purpose of reducing or increasing the load on the axle(s), according to the loading conditions of the vehicle, either by raising the wheels clear off the ground or lowering them to the ground or without raising the wheels off the ground (e.g., in the case of air suspension systems, or other systems), in order to reduce the wear on the tyres when the vehicle is not fully laden, or make starting (moving off) on slippery ground easier for motor vehicles or vehicle combinations, by increasing the load on the driving axle.";



S – Steered
NS – Nonsteered

(B) in Explanation II (B),-

(a) for clause (ii), the following clause shall be substituted, namely:-

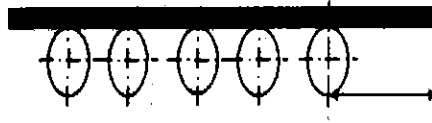
"(ii) in the case of a vehicle having only three axles and the front axle is the only steering axle, the centre point of the rearmost axle, irrespective of rear axle(s) being 'fixed' or 'retractable (lift axle)'.";

(b) for clause (iv), the following clause shall be substituted, namely:-

"(iv) in the case of a vehicle having only three axles where two front axles are steering axles, the centre point of the rearmost axle, irrespective of rear axle(s) being 'fixed' or 'retractable (lift axle)'.";

(c) for clause (v), the following clause shall be substituted, namely:-

“(v) in the case of a vehicle having four or more than four axles; the centre point of the rearmost axle, irrespective of rear axle(s) being ‘fixed’ or ‘retractable (lift axle)’.”.



3. In the said rules, in rule 95, after sub-rule (6), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(7) Temporary use spare wheel or tyre and Run Flat Tyre for vehicles of categories M1 and N1, if they are different from the normal tyre used on the vehicle shall conform to AIS 110: 2009, as amended from time to time, till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).”.

4. In the said rules, in rule 124 A, after sub-rule (7), the following sub-rules shall be inserted, namely:

“(8) On and after the 1st October, 2012, the ballast mass, wherever used in agriculture tractor, shall conform to AIS 105: 2008, as amended from time to time, till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).

(9) On and after the 1st, October, 2012, the protective structures, wherever provided in agriculture tractor, shall conform to IS:11821 (Part 1)- 1992 or IS:11821 (Part 2)-1992, as the case may be.

(10) On and after the 1st October, 2012, the load platform, wherever used in agriculture tractors, shall conform to AIS:106-2009, as amended from time to time, till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).

(11) On and after the 1st October, 2012, the attendant's seat, wherever used in agricultural tractors, shall conform to AIS:111-2009, as amended from time to time, till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).

(12) On and after the 1st October, 2012, for agricultural tractors, the driver's field of vision shall conform to AIS:107-2009, as amended from time to time, till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).”.

5. In the said rules, in rule 125, in sub-rule (2), after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely:

“Provided further that on and after the 1st October, 2012, for agricultural tractors, the rear view mirror specifications and installation requirements shall conform to AIS: 001-2001 and AIS:114- 2009 respectively, as amended from time to time, till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).”.

6. In the said rules, in rule 125 B, in sub-rule (1), for the word “defogging”, the word “defrosting” shall be substituted.

7. In the said rules, in rule 125 C, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted namely:-

“(3) With effect from such date as may be notified, the testing and approval for body building of goods vehicles of category N2 and N3 with respect to cabin, bodies, containers, tankers and details thereof shall be in accordance with AIS:093-2008, as amended from time to time, for vehicles mentioned therein till the corresponding BIS specifications are notified under the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986).”

8. In the said rules, in rule 138, in sub-rule (4), for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:-

“(a) In case of vehicles other than motorcycles, a set of spare bulbs for head lamps and fuses, and a ready-for-use spare wheel:

Provided that in case of M1 and N1 categories of vehicles, use of temporary use spare wheel shall be permitted and the provision of ready to use spare wheel shall not be mandatory, if such vehicles are fitted with Run Flat Tyres as standard.”

[F. No. RT-11028/9/2008-MVL (Vol. II)]

NTIN R. GOKARN, Jt. Secy.

Note: The principal rules were notified in the Gazette of India *vide* G.S.R. 590 (E), dated the 2nd June, 1989 and last amended *vide* G.S.R. 515 (E), dated the 29th June 2012.